

# Malkharoda District Panchayat — Changes in Education (2000–2025)

शोधार्थी का नाम: **Dr.Pitambar Ray**  
संस्थान: atal Bihari Vajpayee University Bilaspur

## सारांश (Abstract) -

यह शोध-पत्र मालखरौदा जनपद पंचायत (जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़) में 2000 से 2025 तक शिक्षा के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इसमें प्राथमिक, माध्यमिक स्तरों पर पहुँच (access), साक्षरता, नामांकन (enrolment), लड़कियों की भागीदारी, स्कूल-इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षक संसाधन तथा राष्ट्रीय और राज्य स्तर की नीतियों (SSA, RTE, NIPUN Bharat, UDISE+) का प्रभाव शामिल है। जहाँ ग्राम-स्तरीय वर्षगत सार्वजनिक आँकड़े उपलब्ध थे उन्हें उद्धृत किया गया है; कई सालाना गाँव-स्तरीय डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न होने के कारण कुछ स्थानों पर अनुमान/प्रॉक्सी (tehsil/district proxy) का उपयोग किया गया है — उन स्थानों पर स्पष्ट कर दिया गया है कि स्थानीय UDISE/Block रिपोर्ट से सत्यापन आवश्यक है

**1. प्रस्तावना (Introduction)** शिक्षा सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन है। 2000 के पश्चात भारत में प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच तथा गुणवत्ता बढ़ाने हेतु बड़े पैमाने पर नीतिगत हस्तक्षेप आए — विशेषकर Sarva Shiksha Abhiyan (2001), RTE (2009), और हाल के वर्षों में NIPUN Bharat (2021) व डिजिटल पहलें। मालखरौदा के परिप्रेक्ष्य में यह अध्ययन स्थानीय बदलावों को जिला/टेहसिल-स्तर के रुझनों के साथ जोड़कर देखता है ताकि 2000-2025 के बीच शिक्षा का कितना परिवर्तन हुआ, किन कारकों ने इसे प्रभावित किया और आगे किन कदमों की आवश्यकता है — यह स्पष्ट हो सके।

**2. उद्देश्य (Objectives)** 1. मालखरौदा जनपद पंचायत में 2000–2025 के बीच शिक्षा के प्रमुख संकेतकों (साक्षरता, नामांकन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, टीचर स्टॉक्स) में हुए परिवर्तनों का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

**2. यह पहचानना कि किन नीतियों/प्रवर्तनों का स्थानीय स्तर पर सबसे बड़ा प्रभाव रहा।**

**3. सीखने में आए अंतर/घाट (learning loss), लड़कियों की भागीदारी, और डिजिटल/इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियों के लिए सिफारिशें देना।**

**3. कार्यप्रणाली (Methodology)**

द्वितीयक स्रोतों का उपयोग: Census (2001/2011) ग्राम-डायरेक्टरी व तालिकाएँ, राज्य शैक्षिक पोर्टल (स्कूल सूची / CRC / UDISE लिंक), केन्द्र की नीति रिपोर्टें (SSA, RTE, NIPUN Bharat), UDISE+/PGI जैसे सांकेतिक स्रोत और ASER/NAS रिपोर्टों से प्रासंगिक निष्कर्ष। जहाँ आवश्यक हुआ, तेहसिल/ज़िला-स्तरीय आँकड़ों को ग्राम-स्तर के प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल किया गया और जहाँ ग्राम-स्तरीय वर्षगत आँकड़े उपलब्ध नहीं थे वहाँ स्पष्ट लिखा गया है कि मान 'अनुमानित/स्थानीय सत्यापन आवश्यक' हैं।

**4. प्रमुख नीतिगत घटनाएँ (Key policy milestones 2000–2025)**

2001 — Sarva Shiksha Abhiyan (SSA): प्राथमिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच और आधारभूत बुनियादी ढाँचे के लिए केंद्र-राज्य पहल।

2004–mid 2000s — Mid Day Meal, विद्यालय निर्माण, शिक्षकों की नियुक्ति: SSA के साथ जुड़े क्रियाकलापों का स्थानीय प्रभाव।

2009/2010 — RTE लागू हुआ: 6–14 आयु समूह के बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार। इससे प्रवेश और अंशकालिक नियमों में बदलाव।

2015–2020 — UDISE+ का उदय, PGI/निगरानी-मेकनिज्म: स्कूल स्तर पर डेटा संग्रह व निगरानी में वृद्धि

2021 — NIPUN Bharat (Foundational Literacy/Numeracy): कक्षा 1–3 में मौलिक साक्षरता व अंकगणित पर जोर; COVID-19 के बाद remediation पर ध्यान

## 5. मालखरौदा — बेसलाइन आँकड़े (वर्गीकृत संदर्भ)

Census / आधिकारिक संदर्भ (चयनित):

Census 2011 — Malkharoda (village): कुल जनसंख्या 3,998। विभिन्न स्रोतों पर ग्राम-स्तरीय साक्षरता-अनुक्रम के भिन्न उद्धरण मिलते हैं; आधिकारिक काउण्ट-नॉट जाहिर करने हेतु Census-हाथीलेख देखें (Census village entry/tehsil)।

## 7. परिणामों का विवेचन (Discussion / Findings)

7.1 पहुँच (Access) में वृद्धि SSA (2001 के बाद) व RTE (2010 से लागू) के कारण प्राथमिक स्कूल-नेटवर्क का विस्तार हुआ — जहाँ पहले बच्चों को दूर के स्कूलों तक जाना पड़ता था वहाँ नई इकाइयाँ खुलीं और नामांकन बढ़ा। स्थानीय स्कूल-सूची (CRC/Block) इस विस्तार की पुष्टि करती है पर ग्राम-स्तरीय वर्ष-दर-वर्ष सूचीबद्ध आँकड़े UDISE से निकालना होगा।

7.2 साक्षरता दर व लिंग असंतुलन Census 2011 के अनुसार मलखरौदा/टेहसिल-स्तर पर साक्षरता में वृद्धि देखी गयी — पर स्रोतों में ग्राम के लिए साक्षरता के अलग-अलग उद्धरण हैं (क्योंकि अलग पब्लिशिंग-फॉर्मेट/रिपोर्ट में अलग प्रस्तुति). कुल प्रवृत्ति में सुधार है, पर महिला साक्षरता अभी भी पुरुषों से नीचे और ध्यान देने योग्य अंतर है — वहीं NIPUN व केंद्र/राज्य पहले ब्लॉक स्तर पर लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दे रही हैं।

7.3 गुणवत्ता (Learning outcomes) — NAS/ASER संकेत ASER/NAS रिपोर्टों ने स्थानीय-जिला/राज्य स्तर पर foundational learning की कमी और COVID-19 के बाद learning loss पर चेतावनी दी है — इसका प्रभाव मालखरौदा जैसे ग्रामीण इलाकों में भी दिखता है। नीतिगत प्रतिक्रिया (NIPUN, remedial teaching) इसी कमी को दूर करने का प्रयास है।

7.4 इन्फ्रास्ट्रक्चर व डिजिटल विभाजन 2014 के बाद Swachh Bharat जैसी मुहिमों ने स्कूल-शौचालय की उपलब्धता बढ़ाई; पर डिजिटल उपकरण/इंटरनेट की पहुँच ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी असमान है — UDISE+ और राज्य रिपोर्ट्स से भी यह मुद्दा उभरकर आता है। COVID-काल में DIKSHA/ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपयोग बढ़ा पर स्मार्टफोन/इंटरनेट के अभाव के कारण कई बच्चों तक पहुँच में कठिनाई आई।

8. नीति-आधारित विश्लेषण (Policy impact analysis) SSA (2001): रोजगार/नियुक्ति और स्कूलों के निर्माण के जरिए पहुँच बढ़ी — पर निगरानी/गुणवत्ता पर अतिरिक्त फोकस की आवश्यकता रही। RTE (2010 लागू): अधिकार-बेस्ड पहुँच वृद्धि; पर बजट, इन्फ्रा और शिक्षक-गुणवत्ता के पहलू अभी भी चुनौतियाँ बने रहे। NIPUN Bharat (2021): foundational learning पर फोकस, remediation तथा शिक्षक प्रशिक्षण पर अधिक बल — यह COVID के बाद की रिकवरी रणनीति का हिस्सा है।

UDISE+/PGI ने डेटा-आधारित निगरानी सक्षम की, जिससे लक्षित हस्तक्षेप (इन्फ्रा, teacher training) सम्भव हुआ।

## 9. प्रमुख चुनौतियाँ (Key challenges)

1. ग्राम-स्तरीय year-wise publicly available आँकड़ों की कमी — कई बार UDISE/Block-reports को स्थानीय स्तर पर पब्लिकली एक्सेस करना कठिन रहता है; इसलिए साल-दर-साल village trends में गैप रहता है।

2. डिजिटल विभाजन — ऑनलाइन शिक्षण के दौरान कई विद्यार्थी कट-आउट हुए क्योंकि इंटरनेट/डिवाइस नहीं थे।

3. क्वालिटी-ऑफ़-लर्निंग (learning outcomes) — ASER/NAS के संकेतों के अनुसार गुणवत्ता अभी भी चुनौती है।

4. लड़कियों के ड्रॉपआउट का आर्थिक/सामाजिक कारण — किशोरावस्था में घरेलू/आर्थिक कारणों से छोड़ना।

## 10. सिफारिशें (Recommendations — कार्यन्वयन योग्य)

1. स्थानीय UDISE/Block रिपोर्टिंग की नियमितता व पारदर्शिता हर वर्ष ग्राम-स्तर पर UDISE-निर्यात (कन्वैक्टेड school-profile) सार्वजनिक किया जाए ताकि समयानुसार ट्रैकिंग संभव हो।

2. NIPUN-आधारित remedial teaching और शिक्षक-प्रशिक्षण कक्षा 1–3 पर फोकस; विशेष रूप से उन बच्चों के लिए summer/remedial camps जो COVID के कारण पिछड़ गए हैं।

3. डिजिटल पहुंच के छोटे-बड़े निवेश स्कूल-कक्षाओं के लिए एक कम लागत वाला डिजिटल-हब, community learning centres, और offline डिजिटल सामग्री (USB/SD card) जहाँ इंटरनेट न हो। (DIKSHA सामग्री का offline उपयोग)।

4. लड़कियों को बनाए रखने के लिए लक्षित पैकेज परिवहन सुविधा, scholarship, sanitary-kits व community awareness अभियान।

5. स्थानीय-स्तर पर मासिक/त्रैमासिक learning assessment छोटे ASER-style tests से learning gaps की पहचान कर तुरन्त remedial modules लागू करें।

## 11. निष्कर्ष (Conclusion)

2000–2025 की अवधि में मालखरौदा और उसके आस-पास के ब्लॉक्स में शिक्षण-पहुँच व बुनियादी ढांचे में स्पष्ट सुधार हुआ है — SSA, RTE और बाद की केंद्रीय पहलों का सकारात्मक प्रभाव दिखता है। परंतु गुणवत्ता (learning outcomes), डिजिटल समावेशन और वर्ष-दर-वर्ष ग्राम-स्तरीय डेटा-पारदर्शिता जैसी चुनौतियाँ अभी बनी हुई हैं। NIPUN Bharat और UDISE+ जैसे उपकरणों का समुचित उपयोग कर करिकुलर व गैर-परंपरागत हस्तक्षेप के जरिए इन समस्याओं का ठोस समाधान निकाला जा सकता है।

## 12. परिशिष्ट — विस्तृत तुलनात्मक तालिका (Plain-text विस्तृत)

(A) 2001 Census — Village directory (availability of educational facilities columns): गाँवों में Primary/Middle/Secondary के कॉलम मौजूद हैं; इन्हें स्थानीय extraction के लिए Census PC01\_VD-22-06 एक्सेल से देखा जा सकता है।

(B) 2011 Census — Malkharoda (selected):

कुल जनसंख्या: 3,998। (Village population detail).

(C) राज्य-शैक्षिक पोर्टल (Chhattisgarh) — Malkharoda CRC / schools list: GOVT PS/MS/Higher Secondary आदि की अद्यतन सूची उपलब्ध है; इससे स्कूल-गणना व नामांकन की स्थानीय जाँच हो सकती है।

## 13. संदर्भ / ग्रन्थसूची (References & Bibliography)

1. Office of the Registrar General & Census Commissioner, India — Village directory, Census 2001 (PC01\_VD-22-06). (Village directory download page).

2. Census 2011 — Malkharoda village data (population, literacy, household) — Census 2011 village entry pages.

3. Sarva Shiksha Abhiyan — Planning & Appraisal manuals / SSA official documents.

4. Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 (RTE) — Official Act document.
5. NIPUN Bharat — National Initiative for foundational literacy & numeracy (Ministry of Education).
6. UDISE+ portal / PGI District indicators — UDISE+ and PGI documents for district/monitoring reference.
7. State School Education Portal (Chhattisgarh) — CRC/cluster school lists (Malkharoda).
8. ASER (Annual Status of Education Report) 2022 / NAS 2021 summaries — learning outcomes / learning loss व संबंधित रिपोर्ट्स

**Copyright & License:**

© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.